माघ मेला : 31 लाख ने लगाई आस्था की डुबकी

पौष पूर्णिमा पर रिकॉर्ड भीड़, 10 हजार पुलिसकर्मी तैनात

प्रयागराज, 3 जनवरी. संगम की सुनहरी रेती पर श्रद्धा और विश्वास का विराट दृश्य और भव्य आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा है.

गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के पावन मिलन स्थल पर माघ मेले का दिव्य शुभारंभ होते ही आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा है. पौष पूर्णिमा के पहले स्नान पर्व पर शाम 7 बजे तक 31 लाख श्रद्धालु पुण्य की डुबकी अब तक लगा चुके हैं. 44 दिनों तक चलने वाला यह माघ मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, आस्था और सुदृढ़ प्रशासनिक व्यवस्था का जीवंत प्रतीक बनकर उभरा है. कड़ाके की ठंड, गंगा की लहरें और अपार आस्था—शनिवार को उत्तर भारत के प्रमुख तीर्थस्थलों पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा.पहले ही दिन 31 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में पवित्र स्नान किया हरिद्वार में माघ पूर्णिमा स्नान ने जहां हरकी पैड़ी को श्रद्धा से भर दिया, वहीं प्रयागराज में पौष पूर्णिमा के साथ माघ मेला 2026 का भव्य आगाज़ हुआ. संगम तट पर लाखों भक्तों ने आस्था की डुबकी लगाई, तो प्रशासन भी सुरक्षा और व्यवस्था में पूरी तरह मुस्तैद नजर आया. मेला प्राधिकरण के अनुसार, पहले दिन कुल 20 से 25 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है. इसी बीच पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था के तहत दो फर्जी बाबाओं को गिरफ्तार किया.

बस्तर रेंज में मुठभेड़ में 14 माओवादी ढेर

बीजापुर/सुकमा, 3 जनवरी (वार्ता) छत्तीसगढ़ के बस्तर रेंज में नक्सल विरोधी अभियानों के अंतर्गत शनिवार को सुरक्षा बलों ने बड़ी सफलता प्राप्त की. यहां मुठभेड़ के दौरान 14 माओवादियों को ढेर कर दिया है.

बीजापुर एवं सुकमा जिलों के दक्षिणी क्षेत्रों में सशस्त्र माओवादियों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना के आधार पर संयुक्त सर्च अभियान चलाया गया और अभियान के दौरान अलग-अलग स्थानों पर हुई मुठभेड़ों में कुल 14 माओवादियों के शव बरामद किए गए हैं. बस्तर पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, दक्षिण बस्तर क्षेत्र में जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) की टीमें सर्च ऑपरेशन पर रवाना की गई थीं. बीजापुर जिले में शनिवार सुबह लगभग पांच बजे से डीआरजी और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ शुरू हुई, जो लंबे समय तक जारी रही. वहीं सुकमा जिले में भी सुबह करीब आठ बजे से सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच गोलीबारी चालू है. इन कार्रवाइयों में बीजापुर जिले से दो तथा सुकमा जिले से 12 माओवादियों के शव बरामद किए गए, इस तरह कुल 14 माओवादी मारे जा चुके हैं. सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ स्थलों से भारी मात्रा में हथियार भी बरामद किए हैं. इनमें अत्याधुनिक एके-47, इंसास और एसएलआर राइफलें शामिल हैं. बरामद हथियारों और अन्य नक्सली सामग्री की विस्तृत जांच की जा रही है.

अश्लील कंटेंट पर एक्स की मुश्किलें बढ़ीं

एलन मस्क की कंपनी पर केंद्र कसेगा कानूनी शिकंजा

नई दिल्ली, 3 जनवरी. एलन मस्क की सोशल मीडिया कंपनी एक्स एक बार फिर विवादों में घिर गई है. भारत सरकार ने प्लेटफॉर्म पर फैल रहे अश्लील और गैरकानूनी कंटेंट को लेकर सख्त रुख अपनाया है.

एआई टूल ग्रोक के जरिए बनाए जा रहे आपत्तिजनक कंटेंट पर आपत्ति जताते हुए केंद्र ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए हैं. आदेश की अनदेखी करने पर एक्स को कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है. केंद्र सरकार ने

एलन मस्क की कंपनी एक्स को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए अश्लील और गैरकानूनी कंटेंट हटाने के निर्देश जारी किए हैं. केंद्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 2 जनवरी को जारी आदेश में कहा है कि एक्स के एआई एप ग्रोक के माध्यम से तैयार की गई.

दिमाग में चिप

दिमाग में चिप लगाकर इंसान को मशीन से जोड़ने का सपना अब हकीकत के करीब पहुंच रहा है. एलन मस्क की कंपनी न्यूरालिंक ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस तकनीक को नए स्तर पर ले जाने की तैयारी में है. ब्रेन इम्प्लांट्स के उत्पादन और रोबोटिक सर्जरी की योजना ने मेडिकल और टेक्नोलॉजी की दुनिया में हलचल मचा दी है. मस्क की ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस कंपनी न्यूरालिंक अब महत्वाकांक्षी चरण में प्रवेश करने जा रही है.

30 राउंड फायरिंग दहली दिल्ली, कारोबारी से 3 करोड़ की रंगदारी

नई दिल्ली, 3 जनवरी. देश की राजधानी दिल्ली एक बार फिर गैंगस्टरों के बढ़ते आतंक से सहम उठी है. रोहिणी सेक्टर-24 में बदमाशों ने एक प्रॉपर्टी डीलर के घर के बाहर खड़ी लग्जरी एसयूवी को गोलियों से भून डाला. करीब 30 राउंड फायरिंग कर दहशत फैलाने के बाद बदमाशों ने कारोबारी को वॉयस मैसेज भेजकर 3 करोड़ की रंगदारी मांगी. घटना ने राजधानी की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. राजधानी दिल्ली में गैंगस्टरों का खौफ लगातार बढ़ता जा रहा है.

125 साल के बाद लौटी भारत की विरासत : मोदी

महात्मा बुद्ध से संबंधित अवशेषों की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी, पीएम ने किया प्रदर्शनी का उद्घाटन

नई दिल्ली, 3 जनवरी. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि महात्मा बुद्ध से जुड़े जो स्थल हैं, उनका संरक्षण और विकास करना सरकार की प्राथमिकता है.

वह महात्मा बुद्ध से संबंधित अवशेषों की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी के यहां आयोजित उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे. कार्यक्रम में संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी मौजूद रहे. पीएम मोदी ने कहा कि सवा सौ साल के इंतजार के बाद महात्मा बुद्ध से जुड़ी भारतीय धरोहर और विरासत वापस लौटी है और अब भारतीय

जनमानस इन पवित्र अवशेषों का दर्शन करके उनका आशीर्वाद पा सकेगा. उनका कहा कि 2026 की शुरुआत में ही यह उनके लिए बहुत प्रेरणादायक अवसर है कि उनके पहले सार्वजनिक कार्यक्रम की शुरुआत भगवान बुद्ध के चरणों से हो रही है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस प्रदर्शनी का उद्घाटन कर रहे थे, उन पवित्र अवशेषों में कुछ हड्डियां भी हैं और माना जाता है कि ये भगवान बुद्ध की हड्डियों के अवशेष हैं. ये अवशेष ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी के एवं प्राचीनतम माने जाते हैं. इस भव्य प्रदर्शनी में 127 साल बाद पवित्र पिपरहवा की वापस लाई गई वस्तुएं रखी गई हैं. प्रदर्शनी का नाम 'प्रकाश और कमल : जागृत व्यक्ति के अवशेष' रखा गया है.

यात्रियों को शानदार यात्रा अनुभव देगी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन : वैष्णव

नई दिल्ली, 3 जनवरी. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन यात्रियों को एक शानदार सफर का अनुभव करायेगी.

अश्विनी वैष्णव शनिवार को असम में गुवाहाटी से पश्चिम बंगाल के कोलकाता के बीच शुरू होने वाली देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का निरीक्षण करने के लिए नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचे. यहां पर उन्होंने ट्रेन के अन्दर जाकर यात्रियों के लिए प्रदान की गयी सुविधाओं को निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने बताया कि गुवाहाटी से कोलकाता के बीच देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू होने जा रही है.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जल्द ही इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे. उन्होंने इस ट्रेन में यात्रियों की यात्रा को आरामदायक बनाने के लिए विशेष ध्यान दिया गया है. दो रैंकों वाली इस ट्रेन में ऊपर की सीट पर जाने के लिए अत्याधुनिक सीढ़ियां लगायी गयी हैं. मोबाइल फोन को टांगने के लिए मोबाइल हैंगर लगाया गया है. कपड़ा टांगने के लिए हैंगर लगाया गया.

ईरान में पढ़ रहे भारतीय छात्रों की सुरक्षा को लेकर चिब ने लिखा पत्र

नई दिल्ली, 3 जनवरी. युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर को पत्र लिखकर ईरान में पढ़ रहे भारतीय मेडिकल छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया है. श्री चिब ने कहा कि ईरान में तनाव को जो माहौल बन रहा है उससे मेडिकल की पढ़ाई करने वाले भारतीय छात्रों की सुरक्षा को लेकर सबकी चिंता दूर करते हुए सरकार को इन छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए. उनका कहना था कि किसी भी तरह के तनाव के माहौल में भारतीय छात्रों की सुरक्षा को अनिश्चितता में नहीं छोड़ा जा सकता है.

भारत की संसदीय परंपरा को एक नई दिशा मिली : राजनाथ

नई दिल्ली, 3 जनवरी. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत रत्न पंडित मदन मोहन मालवीय एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने हमेशा स्वदेशी विचारों, स्वदेशी उद्योगों और स्वदेशी क्रियाकलापों पर अपने आप को फोकस किया और भारत आत्मनिर्भरता के जिन लक्ष्यों की तरफ तेजी से आगे बढ़ रहा है, उसके पीछे इन महापुरुषों की शिक्षाओं का एक विशेष महत्व है. श्री सिंह ने सर्वश्री वाजपेयी और मालवीय के चित्रों का शनिवार को दिल्ली विधानसभा सदन में अनावरण करने के बाद यहां आयोजित कार्यक्रम में कहा कि दिल्ली विधानसभा का यह परिसर

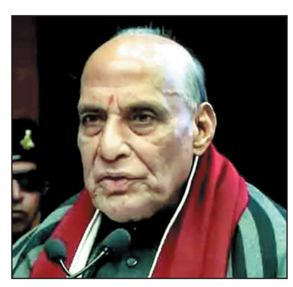

ईंट पत्थरों से बना यह महज कोई ढांचा नहीं है, बल्कि यह वह स्थान है, जहां वर्षों से भारत की लोकतांत्रिक चेतना ने विचारों को स्वर दिया है. यहां से भारत की संसदीय परंपरा को एक नयी दिशा मिली है. इस लोकतांत्रिक केंद्र में खड़े होकर खुद को गौरान्वित महसूस कर रहा हूं.

संकट में भारतीय फुटबॉल : केजरीवाल

फीफा को लेकर पूर्व सीएम का तंज, सरकार को घेरा

नई दिल्ली, 3 जनवरी. भारतीय फुटबॉल में चल रहे प्रशासनिक संकट को लेकर सियासत तेज हो गई है.

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने खिलाड़ियों द्वारा फीफा के तहत अपील किए जाने के मुद्दे को उठाते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा है. उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा कर कहा कि जब खिलाड़ियों को अपने ही खेल को बचाने के लिए अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और सरकार से गुहार लगानी पड़ती है, तो यह वर्षों से चले आ रहे कुप्रबंधन और उपेक्षा का प्रमाण है.

उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों का फीफा और सरकार से अपील करना इस बात का संकेत है कि देश में फुटबॉल का संचालन सही दिशा में नहीं हो रहा है. केजरीवाल के मुताबिक, यह संकट अचानक पैदा नहीं हुआ, बल्कि वर्षों के कुप्रबंधन, जवाबदेही की कमी और खिलाड़ियों की अनदेखी का नतीजा है. उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि खेल को राजनीति और सत्ता संघर्ष से दूर रखने की जरूरत है. केजरीवाल ने जोर दिया कि भारतीय फुटबॉल को पारदर्शी प्रशासन, जवाबदेही और खिलाड़ियों के प्रति सम्मान की आवश्यकता है, न कि ऐसे हालात, जहां खिलाड़ी खुद को असहाय महसूस करें. पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि भारत के फुटबॉल खिलाड़ी और प्रशंसक एक बेहतर भविष्य के हकदार हैं. उन्होंने संकेत दिया कि अगर समय रहते सुधार नहीं किए गए.

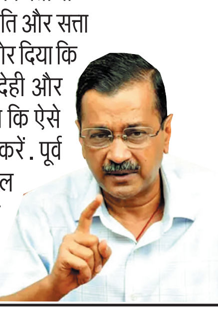

केजरीवाल का यह बयान ऐसे समय आया है, जब भारतीय फुटबॉल प्रशासन को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं और खिलाड़ियों के भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है. उनके बयान ने खेल जगत के साथ-साथ राजनीतिक हलकों में भी नई बहस छेड़ दी है. अरविन्द केजरीवाल ने अपने पोस्ट में भारतीय फुटबॉल की मौजूदा स्थिति को नाजुक मोड़ पर खड़ा बताया.

एक नजर में

यमन में सऊदी अरब के हमलों से 20 की मौत

अदन, 3 जनवरी. सऊदी अरब के युद्धक विमानों ने यमन के दक्षिणपूर्वी तेल-समृद्ध प्रांत हद्रामौत में शुक्रवार को कई स्थानों पर हवाई हमला किया जिसमें 20 से ज्यादा लोग मारे गए और दर्जनों अन्य घायल हो गए. यह जानकारी एक स्थानीय चिकित्सा सूत्र ने दी. सेयुन पब्लिक हॉस्पिटल के एक सूत्र ने शिन्हुआ से कहा कि पिछले कुछ घंटों में अस्पताल में 20 से अधिक शव लाए गए हैं. हमलों में नागरिकों सहित दर्जनों अन्य लोग घायल हुए हैं और वर्तमान में उनका उपचार चल रहा है. इससे पहले दिन में, दक्षिणी संक्रमणकालीन परिषद (एसटीसी) से संबद्ध उपग्रह चैनल एआईसी ने कहा कि सऊदी अरब के तीव्र हवाई हमलों में सेयुन हवाई अड्डे और आसपास की आवासीय इमारतों को निशाना बनाया गया, जिसमें एक ही परिवार के सात सदस्यों की मौत हो गई.

दिल्ली में 72 उड़ानें रद्द, 300 से ज्यादा उड़ानें लेट

नई दिल्ली, 3 जनवरी. दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को खराब मौसम के कारण 72 उड़ानें रद्द रहीं और 300 से अधिक की उड़ानों की आवाजाही में देरी हुई. दिल्ली में आज सुबह कोहरा नहीं था, लेकिन देश के दूसरे हिस्सों में कोहरे के कारण वहां से आने वाली और वहां जाने वाली उड़ानें रद्द रहीं. हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि विभिन्न विमान सेवा कंपनियों ने आज दिल्ली आने वाली 34 और यहां से जाने वाली 38 उड़ानें रद्द कीं. इसके अलावा 300 से अधिक उड़ानों में देरी की भी सूचना है. उल्लेखनीय है कि आज दिल्ली में रनवे पर दृश्यता ठीक रही, लेकिन दूसरे शहरों में कोहरा रहा. विमान सेवा कंपनियों ने धर्मशाला, भुवनेश्वर, इंदौर, दरभंगा और हैदराबाद में कोहरा होने की सूचना देते हुए यात्रियों को अपनी उड़ान की ताजा स्थिति जानने के लिए वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर संपर्क करने की सलाह दी है.

निर्विरोध जीत पर आयोग ने दिए जांच के आदेश

मुंबई, 3 जनवरी. महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग ने राज्य की 29 नगर निगमों में निर्विरोध चुने गये 69 प्रत्याशियों के मामलों की राज्यव्यापी जांच के आदेश दिये हैं। यह कार्रवाई नामांकन वापसी की अंतिम तिथि दो जनवरी से पहले कथित दबाव, धमकी और प्रलोभन देकर बड़े पैमाने पर नामांकन वापस कराए जाने के आरोपों के बाद की गयी है। निर्वाचन आयोग ने एक असाधारण और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए निर्देश दिया है कि इन निर्विरोध जीतों के परिणामों की औपचारिक अधिसूचना जांच पूरी होने तक जारी नहीं की जायेगी। आंकड़ों के अनुसार, 69 में से 68 सीटें सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन को मिली हैं। इनमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 44 सीटें, शिवसेना को 22 सीटें और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) को दो सीटें मिली हैं.

योजनाओं में बजट का उपयोग मार्च से पहले करें

मंत्री शिवराज ने कृषि योजनाओं व बजट उपयोग की समीक्षा

नई दिल्ली, 3 जनवरी. केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की.

बैठक में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, कृषोन्नति योजना समेत विभिन्न केंद्रीय कृषि योजनाओं की प्रगति एवं बजट उपयोग की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई. बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि छोट प्रशासनिक व प्रक्रियागत मुद्दों के कारण कई बार बजट आवंटन में देरी होती है, जिससे योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर असर पड़ता है. उन्होंने राज्यों को निर्देश दिया

कि विभिन्न योजनाओं के लिए आवंटित बजट का उपयोग मार्च माह से पहले सुनिश्चित किया जाए. केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यदि राज्य समय पर बजट खर्च नहीं कर पाते हैं तो इससे राज्यों को ही नुकसान होता है. उन्होंने जोर देते हुए कहा कि राज्यों को पूर्व नियोजित रणनीति के साथ बजट का उपयोग करना चाहिए, ताकि योजनाओं का लाभ किसानों तक समय पर पहुँचे और केंद्र से अगली किश्त समय पर जारी की जा सके.

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने पीएम-किसान योजना के तहत पात्र किसानों के शीघ्र सत्यापन, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक किसानों को कवर करने तथा दावों के समयबद्ध निपटान पर विशेष बल दिया. साथ ही, बीज एवं उर्वरकों की उपलब्धता, संतुलित उपयोग और केंद्र-राज्य समन्वय को और मजबूत करने पर भी जोर दिया. किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह ने राज्यों को आश्वस्त किया कि केंद्र सरकार कृषि क्षेत्र को सुदृढ़ करने और किसानों के हित में हर संभव सहयोग प्रदान करती रहेगी.

आज का इतिहास

1604 - शहजादा सलीम की बगावत नाकाम होने के बाद उन्हें बादशाह अकबर के सामने में पेश किया गया.

1643- इंग्लैंड के महान भौतिक विज्ञानी एवं गणितज्ञ सर आइजक न्यूटन का जन्म.

1809 - दृष्टिहीनों को पढ़ने-लिखने में मदद देने वाली लिपि के आविष्कारक

1906- प्रिंस ऑफ वेल्स ने कलकत्ता में विक्टोरिया मेमोरियल हॉल की आधारशिला रखी.

1931-निरुपा रॉय - प्रसिद्ध भारतीय अभिनेत्री थीं.

1948- दक्षिण पूर्व एशियाई देश बर्मा (म्यांमार) को ब्रिटेन से आजादी मिली.

डॉक्टर रिसर्चर व साइंटिस्ट की भूमिका भी निभाएंगे

6,640 नई फेलोशिप, स्टार्ट अप रिसर्च ग्रांट की घोषणा

नई दिल्ली, 03 जनवरी.भारत में स्वास्थ्य शोध को नई रफ्तार देने के लिए केंद्र सरकार ने अब तक का सबसे बड़ा कदम उठाते हुए 6,640 नई फेलोशिप, ट्रेनिंग प्रोग्राम और स्टार्ट अप रिसर्च ग्रांट की घोषणा की है.

यह पूरा ब्लूप्रिंट दिसंबर 2025 में जारी संशोधित दिशा-निर्देशों में शामिल है, जिसके तहत पहली बार मेडिकल कॉलेजों, अस्पतालों और राष्ट्रीय संस्थानों को जोड़कर देशभर में रिसर्चर तैयार करने का बड़ा मिशन शुरू किया है. सरकार का मकसद है कि क्लीनिकल सर्विस देने वाले डॉक्टर अब रिसर्चर और साइंटिस्ट की भूमिका भी निभाएं, जिससे भारत अपने स्वास्थ्य समाधान खुद तैयार कर सके.

नई दिल्ली स्थित स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की नई गाइडलाइन में एमबीबीएस और

पीजी छात्रों पर सबसे बड़ा फोकस है. आने वाले दो वर्षों में चार हजार से अधिक एमबीबीएस व बीडीएस छात्रों को रिसर्च फेलोशिप दी जाएगी, जिन्हें छह महीने तक किसी मान्यता प्राप्त प्रोजेक्ट पर काम करना होगा और लगभग 60 हजार रुपए तक का मानदेय मिलेगा. मेडिकल शिक्षा में पहली बार रिसर्च को शुरुआती स्तर से अनिवार्य रूप से प्रोत्साहित किया है. इसके लिए सभी मेडिकल कॉलेजों को 25-25 लाख रुपए तक की ग्रांट दी जाएगी, जिससे वे रिसर्च लैब, डेटा यूनिट, बॉयोस्टैटिसटिक्स सपोर्ट और एथिक्स कमेटी की संरचना मजबूत कर सकें.

60 फीसदी मेडिकल कॉलेज में नियमित रिसर्च नहीं

केंद्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि आज देश में हो रहे अधिकांश जैव चिकित्सा अनुसंधान कुछ ही मेडिकल कॉलेजों तक सीमित हैं. 60 प्रतिशत मेडिकल कॉलेज नियमित रिसर्च नहीं कर रहे. अधिकांश मेडिकल कॉलेजों में एक बड़ी बाधा स्वास्थ्य अनुसंधान के क्षेत्र में पर्याप्त और उचित रूप से प्रशिक्षित मानव संसाधन की कमी है जबकि कोरोना महामारी ने यह बताया कि देश को स्वदेशी रिसर्च क्षमता चाहिए. आईसीएमआर 900 से अधिक जेआरएफ-एसआरएफ फेलोशिप, 800 पीजी थीसिस ग्रांट, 300 से ज्यादा ट्रैवल सपोर्ट और 20 स्टार्ट-अप रिसर्च प्रोजेक्ट को फंड देगा. इससे आने वाले दो वर्षों में करीब तीन हजार युवा डॉक्टर सक्रिय रूप से रिसर्च में शामिल होंगे.

भरोसेमंद ईवीएम | कर्नाटक में राज्य सरकार ने कराया सर्वे

91 प्रतिशत लोगों ने कहा- चुनाव निष्पक्ष

बेंगलुरु, 03 जनवरी. कर्नाटक में चुनावी निष्पक्षता को लेकर जारी राजनीतिक घमासान के बीच राज्य सरकार की एक आधिकारिक एजेंसी के सर्वे ने नई बहस छेड़ दी है.

कर्नाटक मॉनिटरिंग एंड इवैल्यूएशन अथॉरिटी की ताज़ा रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य के 91 प्रतिशत मतदाताओं का मानना है कि भारत में चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कराए जाते हैं तथा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) सही और भरोसेमंद नतीजे देती हैं. यह सर्वे ऐसे समय सार्वजनिक हुआ है, जब कांग्रेस सांसद राहुल गांधी लगातार

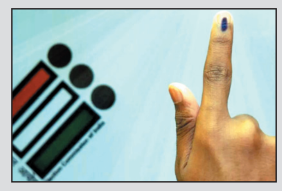

भाजपा और चुनाव आयोग पर 'वोट चोरी' के गंभीर आरोप लगा रहे हैं. उन्होंने कर्नाटक के कलबुर्गी जिले की आलंद विधानसभा सीट का उदाहरण देते हुए दावा किया था कि कांग्रेस समर्थकों के वोट योजनाबद्ध तरीके से हटाए गए. दिलचस्प बात यह है कि कर्नाटक में कांग्रेस की ही सरकार है और उसी राज्य की एजेंसी द्वारा कराए गए इस सर्वे को भाजपा राहुल गांधी के आरोपों के खिलाफ बड़ा हथियार मान रही है. भाजपा नेताओं ने इसे कांग्रेस के दावों पर जनता का फैसला करार देते हुए तीखा हमला बोला है. कर्नाटक सरकार की एजेंसी केएमईए द्वारा कराए गए इस व्यापक सर्वे में राज्य के 34 निर्वाचन जिलों के 102 विधानसभा क्षेत्रों के 5,100 मतदाताओं को शामिल किया गया. सर्वे का उद्देश्य लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान मतदाता जागरूकता और चुनावी प्रक्रिया को लेकर जनता की समझ, नजरिया और अनुभव का आकलन करना था.

रिपोर्ट के अनुसार 91.31 प्रतिशत लोगों ने माना कि भारत में चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से कराए जाते हैं. ईवीएम को लेकर जनता का भरोसा मजबूत दिखा. सर्वे में 69.39 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने ईवीएम की सटीकता पर सहमति और 14.22 प्रतिशत ने पूरी सहमति जताई, जबकि 6.76 प्रतिशत ने न्यूट्रल राय दी. क्षेत्रवार आंकड़ों में कलबुर्गी डिवीजन में चुनाव प्रक्रिया पर सबसे ज्यादा भरोसा देखने को मिला.